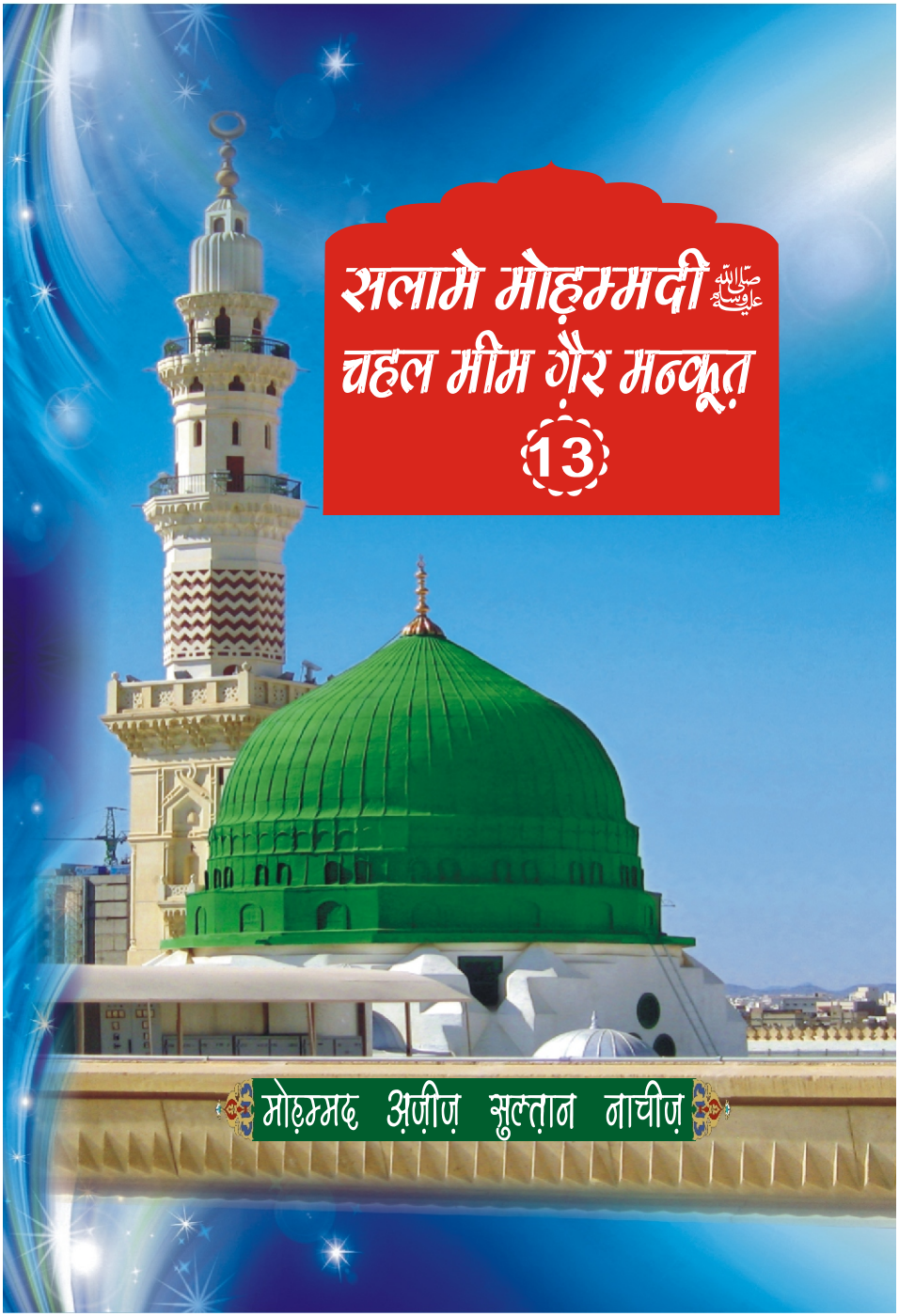
सलामे मोहम्मदी ﷺ
चहल मीम ग़ैर मन्क़ूत़
13
मोह़म्मद अ़ज़ीज़ सुल्तान नाचीज़

786/92

सलामे मोह़म्मदी ﷺ

चहल मीम ग़ैर मन्क़ूत़ 13

٧٨٦/٩٢

نقش تحفۂ روحانی وحل المشکلات

مَعَ اسْمِ اللہِ الْمَلِكِ السَّلٰمِ

ص م ح م د لی اللہ علیہ وسلم

ص ح م د م لی اللہ علیہ وسلم

ص م د م ح لی اللہ علیہ وسلم

ص د م ح م لی اللہ علیہ وسلم

اس نقش کو دیکھنے والے کی
ہر مشکل حل ہوگی انشاءاللہ

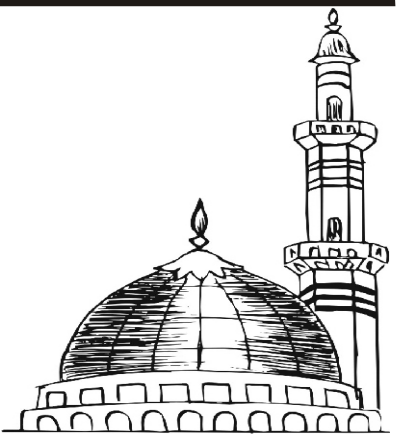

पेशकश

बमौक़ा रबीउ़ल्अव्वल 1438हि0

बफ़ैज़े रूहानी सय्यिदुना मोहयुद्दीन व सय्यिदुना मोईनुद्दीन व ह़ज़रात मख़्दूमीन सादात चौदहों पीराँ رضی اللہ عنہم

मोह़म्मद अ़ज़ीज़ सुल्त़ान नाचीज़

सलामे मोह़म्मदी ﷺ
वहल मीम ग़ैर मन्कूत़(13)

मअ़स्मिल्लाहिल मालिकिस्सलामि अल्लाहुम्म ल कल्ह़म्दुद्दाइमु ला इलाह इल्लल्लाहु स़ल्लि व सल्लिम कामिलम्मुक्रिमन अ़ला मौलाई कमालि क इस्मुहू मह़मूदूँ व मुत़हहिरिवँ वमुल्हिमिवँ व अम्रि क व मस्रूरि क व अस्लिल्मलाइ कि वल्लौह़ि व मस्तूरिही वल्कुर्सीयि व वुस्इ़ही व मुह़ामिद कल औला ला इलाह इल्लल्लाहु व हु व कलामुकल उद्दु मुह़म्मदुर्रसूलुल्लाहि व स़ा र वालिदुहू अ़स्लह़ल वालिदि व उम्मुहू अ़स्लह़ल उम्मि व आलुहू अ़स्लह़ल आलि व अ़ला वालिदिही व उम्मिही व आलिही वल मौला अ़लिय्यिवँ व वलदै अ़लिय्यिवँ व उम्मिहिमा व मुह़यिल इस्लामि व आलिही व वालियिल इस्लामि व आलिही व अह़ म द व लिय्यिल्लाहि व ह़वारिय्यि वलिय्यिल्लाहि व आलिही व कुल्लि उममि रसूलिल्लाहि अ़ द द आलाइल्लाहि कुल्लल ह़ालि।

मुराद

अल्लाह के इस्म के सहारे कि वही मालिक व सलामी वाला है।

ऐ हमारे अल्लाह सारा दाइमी ह़म्द अल्लाह ही के लिए है, वाह़िद अल्लाह ही इलाह है कामिल इकराम वाला दुरूदो सलाम हमारे मौला अल्लाह के कमाल के लिए हो, कि उसका इस्म मह़मूद है और (दुरूदो सलाम) मुत़हहिर के लिए हो, इलहाम वाले के लिए हो, अल्लाह के अम्र के लिए हो, और अल्लाह के मस्रूर के लिए हो,मलाइका और लौह़ और उस के मस्तूर की अस़्ल के लिए हो, कुर्सी और उस से वस़्ल वाले की अस़्ल के लिए हो और अल्लाह की उ़म्दह ह़म्द ला इलाह इल्लल्लाहु वाले के लिए हो और वह अल्लाह का कलामे उद मोह़म्मद ﷺ अल्लाह का रसूल है और उस रसूल के वालिद स़ालेह़ हुए सारे वालिद से और माँ सारी माओं से और आलो औलाद सारे आलो औलाद से और (दुरूदो सलाम) उस रसूल के वालिद के लिए हो और माँ के लिए हो और आल के लिए हो, मौला अ़ली के लिए हो, मौला अ़ली के लाडलों के लिए हो और मौला अ़ली के लाडलों की वालिदह के लिए हो, इस्लाम के मुह़यी के लिए हो और आल के लिए हो, इस्लाम के मददगार के लिए हो और आल के लिए हो और अह़मद वलीयुल्लाह के लिए हो और

वलीयुल्लाह के हम दमों के लिए हो और आल के लिए हो, अल्लाह के रसूल की सारी उमम के लिए हो हर दम मअ़ अ़ददे अ़ताए इलाही के ।

तौज़ीह़ी तर्जमाः- अल्लाह के इस्म के साथ जो मालिक है सलामती देने वाला है ऐ हमारे अल्लाह तेरे ही लिए तमाम दाइमी तअ़रीफ़ है अल्लाह के सिवा कोई मअ़बूद नहीं तू भेज ख़ूब ख़ूब कामिल अ़ज़्मत वाला दुरूदो सलाम हमारे मौला अपने कमाल पर कि जिनका इस्मे पाक "ख़ूब ख़ूब तअ़रीफ़ किया हुवा" है। (दुरूदो सलाम हो) ख़ूब सुथरा करने वाले पर और इल्हामे ह़क़ फ़रमाने वाले पर और तेरे अम्र पर और तेरी ख़ुश्नूदी पर और तमाम फ़रिश्तों, लौह़ और उस में लिखे हुए की अ़स्ल पर, कुर्सी और उस में समाए हुए की अ़स्ल पर और तेरी सब से बेहतर तअ़रीफ़ ला इलाह इल्लल्लाहु करने वाले पर और वह तेरी मोह़ब्बत का कलाम मोह़म्मद ﷺ अल्लाह के रसूल हैं कि जिनके वालिद(सय्यिदुना अ़ब्दुल्लाह रदि़यल्लाहु अ़न्हु) तमाम वालिद में सब से ज़्यादा नेक हैं और जिनकी माँ (बी बी आमिना रदि़यल्लाहु अ़न्हा) तमाम माओं में सब से ज़्यादा नेक हैं और जिनकी आलो औलाद तमाम आलो औलाद में सब से ज़्यादा नेक हैं और (दुरूदो सलाम नाज़िल हो) आप ﷺ के

वालिद पर और आप ﷺ की वालिदह पर और आल पर, ह़ज़रत मौला अ़ली रदि़यल्लाहु अ़न्हु पर और मौला अ़ली के दोनों लाडलों इमामे ह़सन व इमामे हुसैन अ़लैहिमस्सलाम पर और ह़स्नैन करीमैन की वालिदह ख़ातूने जन्नत सय्यिदह बीबी फ़ात़ेमा ज़हरा रदि़यल्लाहु अ़न्हा पर और दीन के ज़िन्दा करने वाले मुह़युद्दीन सय्यिदुना शैख़ अ़ब्दुल क़ादिर जीलानी रदि़यल्लाहु अ़न्हु पर आप की आल पर और दीन के मददगार ख़्वाजा मोई़नुद्दीन ह़सन सन्जरी पर आप की आल पर और ह़ज़रत मख़्दूम सय्यिद अह़मद वलीयुल्लाह पर आप के अस्ह़ाबे रूह़ानी पर और आल पर, और अल्लाह के रसूल के सारे उम्मतियों पर हर दम नेअ़मते इलाही की तअ़दाद के मुत़ाबिक़।

फ़ज़ीलत सलामे मोह़म्मदी ﷺ चहल मीम ग़ैर मन्क़ूत़ 13

जो शख़्स इस दुरूद को रोज़ाना १००/११/५ बार पढ़ने का अपना मअ़मूल बनाएगा उसे अल्लाहो रसूल की ख़ुश्नूदी ह़ासिल होगी नीज़ उसे अहले बैत की शफ़्क़तो मोह़ब्बत ह़ासिल होगी और **वह हर ज़माना में हर बला व मुसीबत ह़ादसा व हलाकत और नफ़्स के जुम्ला शरों से मह़फ़ूज़ रहेगा** और वह अ़ज़ाबे दहरो क़ब्रो ह़श्र से मह़फ़ूज़ रहेगा। इन्शाअल्लाहु तआ़ला।

آستانہ حضرات مخدومین سادات چودھوں پیراں (علیہم الرحمۃ والرضوان) الہ آباد

www.syed14peer.com